प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 9 (2019–20)

हिन्दी–अ कोड (002)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड – क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

उत्तर :

एक समय था जब हमारे देश में वनों की कोई कमी नहीं थी, आबादी कम थी और बड़े–बड़े शहरों का विकास नही हुआ था। गाँव और बस्तियाँ अधिकतर जंगलो ं के किनारे बसे हुए थे। ग्रामीण जीवन में वनों का विशिष्ट स्थान था। वन भारतीय जीवन के स्रोत थे। यह सुखद संस्मरण अब भूतकाल की बात हो गई है। वर्तमान जीवन बड़े–बड़े महानगरों में सीमेण्ट, लोहे और कंक्रीट के जंगल में कैद है। अब स्वच्छ वायु, प्राकृतिक दृश्य, वनों की छटा सब कुछ स्वप्न बनकर रह गए हैं। वर्तमान विशेषज्ञों का कहना है कि देश के कम–से–कम 40 प्रतिशत भाग में वन होने आवश्यक है, परन्तु दुर्भाग्य यह है कि मात्र 23 प्रतिशत भाग में वन शेष रह गए है। वनों की घटती संख्या के कारण हैं– बढ़ती हुई जनसंख्या, फैलते हुए मैदान, बड़े–बड़े उद्योगों की स्थापना और आधुनिक सभ्यता।

1. कुछ समय पहले हमारे देश की क्या स्थिति थी? 2

उत्तर : कुछ समय पहले हमारे देश में वनों की कोई कमी नहीं थी। आबादी कम थी और बड़े–बड़े शहरों का विकास नही हुआ था। गाँव और बस्तियाँ अधिकतर जंगलों के किनारे बसे हुए थे। ग्रामीण जीवन में वनों का विशिष्ट स्थान था।

2. देश की वर्तमान स्थिति क्या है? 2

उत्तर : देश की वर्तमान स्थिति अति दयनीय है। बड़े–बड़े महानगर सीमेण्ट, लोहे और कंक्रीट के जंगल में कैद हैं। अब स्वच्छ वायु, प्राकृतिक दृश्य, वनों की छटा सब कुछ स्वप्न बनकर रह गए हैं।

3. वनों के घटने के मुख्य कारण क्या हैं? 2

उत्तर : वनों के घटने का मुख्य कारण है– बढ़ती हुई जनसंख्या, फैलते हुए मैदान, बड़े–बड़े उद्योगों की स्थापाना और आधुनिक सभ्यता।

4. 'वन' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

उत्तर : वन– जंगल, कानन।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : वनो का महत्त्व।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 7

तापित को स्निग्ध करे, प्यासे को चैन दे,
सूखे हुए अधरों को फिर से जो बैन दे,
ऐसा सभी पानी है।
लहरों के आने पर काई–सा फटे नहीं,
रोटी के लालच में तोते–सा रटे नही,
प्राणी वही प्राणी है।
बोले तो हमेशा सच, सच से हटे नहीं,
झूठ के डराए से, हरगिज डरे नहीं,
सचमुच वही सच्चा है।

1. कवि ने पानी के बारे में क्या कहा हैं? 2

उत्तर : कवि ने पानी के बारे में कहा है कि तपते हुए को शीतलता देने वाला, प्यासे व्यक्ति की प्यास बुझाने वाला और सूखे होठों को फिर से वाणी देने वाला पानी ही पानी कहलाता है।

2. सच्चे मनुष्य की क्या परिभाषा है? 2

उत्तर : सच्चा मनुष्य वही है जो निडर होकर सच बोले। किसी के डर या दबाव से झूठ न बोले।

3. 'पानी' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए 1

उत्तर : पानी – जल, नीर।

4. हमें हमेशा क्या बोलना चाहिए? 1

उत्तर : हमें हमेशा सच बोलना चाहिए।

5. सच्चा प्राणी कौन है? 1

उत्तर : सच्चा प्राणी वही है, जो मुसीबत के आने पर हिम्मत न हारे तथा रोटी और धन आदि के लालच में आकर तोते के समान नकल करने वाला न बने।

अथवा

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम मे पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।
कठिन पथ को देख मुस्कुराते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल–सम्भव कर दिखाते वे सदा।।

1. कठिन रास्ते और असंभव कार्यों के बीच वीर व्यक्ति क्या करते हैं?
उत्तर : कठिन रास्ते और असंभव कार्यों के बीच वीर व्यक्ति सदा मुस्कुराते और गीत गाते हैं। उनके लिए सब कुछ सरल और संभव होता है।
2. ''सरल–संभव कर दिखाते वे सदा''। पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : इस पंक्ति का आशय है कि वीर व्यक्ति के लिए कठिन और असंभव कार्य भी सरल और संभव हो जाते हैं। उनकी वीरता व साहस के सामने कठिन–से–कठिन कार्य भी आसान हो जाते हैं।
3. वीर संकटों को देखकर क्या करते हैं?
उत्तर : वीर संकटों से घबराते नहीं है।
4. वीर सभी कार्य कैसे करते हैं?
उत्तर : वीर जिस कार्य को हाथ में लेते हैं, उसे पूरा करके ही छोड़ते है।
5. 'वीर' शब्द के साथ उचित प्रत्यय लगाकर शब्द बनाए।
उत्तर : वीर+ता= वीरता

खण्ड – ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– 7

1. किन्हीं दो शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए– 2
निर्लोभ, चौराहा, अछूत
उत्तर :

	उपसर्ग	मूलशब्द
1.	निर्	लोभ
2.	चौ	राहा
3.	अ	छूत

2. किन्हीं दो शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए– 2
बिछौना, सपेरा, श्रेष्ठतम
उत्तर :

	मूलशब्द	प्रत्यय
1.	बिछ	औना
2.	साँप	एरा
3.	श्रेष्ठ	तम

3. किन्हीं तीन शब्दों के विग्रह करके समास का नाम लिखिए– 3
पाठशाला, आजीवन, कुबुद्धि, पीतांबर
उत्तर :

	विग्रह	समास का नाम
1.	पाठ के लिए शाला	तत्पुरूष समास
2.	जीवन पर्यंत	अव्ययीभाव समास
3.	बुरी बुद्धि	कर्मधारय समास
4.	पीत है वस्त्र जिसका (कृष्ण)	बहुव्रीहि समास

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– 4

1. अर्थ के आधार पर किन्हीं दो वाक्यों में भेद लिखिए–2
1. मैं कल विद्यालय नहीं गया था।
उत्तर : निषेधवाचक
2. तुम पढ़ो।
उत्तर : आज्ञावाचक
3. कोई पानी पिला दे।
उत्तर : इच्छावाचक
2. निर्देशानुसार किन्हीं दो वाक्यों में परिवर्तन करके लिखिए– 2
1. उसने पाठ याद कर लिया। (संदेहवाचक में)
उत्तर : उसने पाठ याद कर लिया होगा।
2. राम ने मिठाई दी। (निषेधवाचक में)
उत्तर : राम ने मिठाई नहीं दी।
3. तुम नीचे बैठ गए। (आज्ञावाचक में)
उत्तर : तुम नीचे बैठ जाओ।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं चार के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए– 4

1. अरविंद से शिशुवृंद कैसे सो रहे।
उत्तर : उपमा अलंकार
2. जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारो लगे, बढ़ै अँधेरो होय।।
उत्तर : श्लेष अलंकार
3. पोथी पढ़ि–पढि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
उत्तर : अनुप्रास अलंकार
4. माला फेरत युग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।।
उत्तर : यमक अलंकार
5. कार्तिक की एक हँसमुख सुबह।

नदी तट से लौटती गंगा नहाकर।।

उत्तर : मानवीकरण अलंकार

खण्ड – ग (पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 30

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5

जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असन्तोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध कुलेल कर लेता हो, पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख–दुःख, हानि–लाभ किसी भी दशा मे उसे बदलते नही देखा। ऋषियों–मुनियों के जितने गुण हैं वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गये हैं, पर आदमी उसे बेवकूफ कहता है। सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है।

1. 'सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है। 'आप इस विचार से सहमत हैं या नहीं और क्यों? 1

उत्तर : संसार में ऐसे जानवर या मनुष्य जो अत्यधिक सीधे और सहनशील होते हैं, उनके साथ संसार दुर्व्यवहार करता है। जैसे भारतवासियों के साथ अफ्रीका और अमेरीका में दुर्व्यवहार होता है। अतः सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है।

2. गधे की उस विशेषता को बताइए जो उसे अन्य पशुओं से भिन्न करती है? 2

उत्तर : गधे की यह विशेषता है कि वह अत्यधिक सीधा, सहनशील तथा सरल जानवर है। उसके चेहरे पर कभी असंतोष दिखाई नहीं देता। उदासी उसके चेहरे पर स्थायी रूप से रहती है। सुख–दुःख, लाभ–हानि किसी भी दशा में उसे बदलते नही देखा और यही विशेषताएँ उसे अन्य पशुओं से भिन्न करती हैं।

3. यहाँ किसकी बात हो रही है? वैशाख में कुलेल करने का क्या तात्पर्य है? 2

उत्तर : यहाँ गधे की बात हो रही है वैशाख में कुलेल करने का तात्पर्य है–गधा वैशाख में प्रसन्न रहता है। और उछल–कूद करता है।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

1. पर्यावरण संरक्षण में सालिम अली का क्या योगदान है? 2

उत्तर : पर्यावरण संरक्षण में सालिम अली का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आजीवन पक्षियों के विषय में खोजबीन की और उनकी सुरक्षा के बारे में अध्ययन भी किया। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह से मिलकर केरल की साइलेंट वेली के पर्यावरण को उजड़ने से रोकने की प्रार्थना की। उन्होंने हिमालय और लद्दाख की बर्फीली जमीनों पर रहने वाले पक्षियों के कल्याण के लिए कार्य किया।

2. अँग्रेजों ने किसे भस्म कर क्रूरता का परिचय दिया और क्यों? 2

उत्तर : अंग्रेजों ने नाना साहब की पुत्री मैना को भस्म कर अपनी क्रूरता का परिचय दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनका मानना था कि कानपुर के भीषण हत्याकांड के पीछे नाना साहब का प्रमुख हाथ था।

3. जनता का लेखक किसे कहा गया और क्यों? 2

उत्तर : प्रेमचंद को जनता का लेखक कहा गया है। उन्होने जीवन–भर जनता के दुख–दर्द के बारे में लिखा। उन्होंने किसानों की गरीबी, शोषण और बदहाली के बारे में लिखा। इसलिए उन्हें जनता का लेखक कहा गया है।

4. कहानी ''प्रेमचंद के फटे जूते'' में प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन–सी विशेषताएँ उजागर होती है? 2

उत्तर : ''प्रेमचंद के फटे–जूते'' कहानी में प्रेमचंद को एक संघर्षशील लेखक बताया गया है। प्रेमचंद का व्यक्तित्व अपराजय था उन्होंने जीवन में आए कष्टों से हार नहीं मानी और न ही वे कभी पीछे हटे। गरीब होने पर भी हीनता से पीड़ित न थे। फोटो खिंचवाने पर अपने फटे जूते होने पर भी बड़ी सहजता से फोटो खिंचवाई।

5. कहानी ''मेरे बचपन के दिन'' में बेगम साहिबा के मन मे हिन्दू–मुसलमान का भेदभाव नहीं था। स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर : बेगम साहिबा के मन में हिंदू–मुसलमान का भेदभाव नहीं था उन्होने महादेवी के घर के सभी सदस्यों के साथ संबंध जोड़े। उन्होने अपने त्योहारों के साथ हिंदू त्योहारों को भी उत्साह के साथ मनाया। बेगम साहिबा ने महादेवी वर्मा के भाई का नाम भी मनमोहन रखा और स्वयं को महादेवी वर्मा की ताई समझती थी।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5

क्या? देख न सकती जंजीरों का गहना,
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश–राज का गहना।
कोल्हू का चर्रक चूँ? जीवन की तान,
मिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान।
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
दिन में करूणा क्यों जगे, रूलाने वाली,

इसलिए रात में गजब ढा रही आली?
इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह–बीज,
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!

1. किसकी तुलना आभूषणों से की गई है? और क्यों? 2
उत्तर : ब्रिटिश राज में कैदियों को जो हथकड़ियाँ पहनाई जाती थी, उनकी तुलना आभूषणों से की गई है। देश की आजादी के लिए लड़ना कवि को गर्व लगता है। वे इन हथकड़ियों को पहनने में गौरव का अनुभव करते हैं।
2. कैदी कवि को कारागृह में किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? 2
उत्तर : कैदी कवि को कारागृह में कई यातनाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्हें अँधेरी कोठरी में रखा गया। खाने को भोजन भी कम दिया जाता था। पशुओं की तरह काम करवाया जाता था। कोल्हू चलवाया जाता था।
3. कोयल का स्वर कवि को किसके समान लग रहा है?1
उत्तर : कवि को कोयल का स्वर क्रांतिकारी और प्रेरणास्पद लग रहा है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

1. काले माथे और सफेद पंखो वाली चिड़िया किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है? 2
उत्तर : काले माथे और सफेद पंखों वाली चिड़िया स्वार्थी, धूर्त, उग्र, लालची व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है। ऐसे व्यक्ति 'अवसर' के इंतजार में रहते है और मौके का फायदा उठाने में कभी नहीं चूकते।
2. कवि के अनुसार बचपन कब जीने योग्य नहीं है? 2
उत्तर : कवि के अनुसार बचपन में बच्चों को खेलना –कूदना चाहिए। उनका जीवन बोझ रहित और चिंता मुक्त होना चाहिए जब छोटे–छोटे बच्चों से काम करवाया जाता है, छोटे–छोटे कंधों पर बोझ डाला जाता है, तब ऐसा बचपन जीने योग्य नहीं हैं।
3. ''मोट चून मैदा भया'' से कबीर का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। 2
उत्तर : 'मोट चून' का तात्पर्य है– बेकार वस्तु। मैदा से आशय है–मूल्यवान वस्तु। मोट चून अर्थात् दूसरों का धर्म और मैदा अर्थात् अपना धर्म। कबीर कहते हैं कि यदि मन में सद्भावना और प्रेम हो तो अपने धर्म की तरह अन्य धर्म भी भले प्रतीत होते हैं और सम्मान की भावना जागृत होती है।
4. कवयित्री ललद्यद किस रस्सी से कौन–सी नाव खींचना चाहती हैं? 2
उत्तर : कवयित्री ललद्यद कच्चे धागे की रस्सी से जीवन रूपी नाव को खींचना चाहती हैं। वह नश्वर साँसो के बल पर जीवन का निर्वाह कर रही हैं।
5. ''सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं'' काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए। 2
उत्तर : कवि कहता है कि शोषण और अत्याचार करने वाले लोग यमराज की तरह क्रूर और निर्दयी हैं। वे सभी दिशाओं में शान से निवास करते हैं। क्रोध, घृणा और क्रूरता उनके रग–रग में विद्यमान है। आम मनुष्यों का शोषण करना और निजी स्वार्थ को पूरा करना उनका गुण है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 4

1. गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते है। क्या दोनो ही समान रूप से अपराधी हैं। तर्क सहित उत्तर लिखिए। 2
उत्तर : गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं। उनके अनुसार आने वाली बहू को शिक्षित नहीं होना चाहिए। उनका विचार है कि पढ़ी–लिखी बहू उनके नियंत्रण में नहीं रहेगी। वे विवाह को व्यापार मानते हैं। इसके विपरीत रामस्वरूप अपनी बेटी को बी.ए तक पढ़ाते हैं, पर उसके विवाह के लिए उसकी शिक्षित होने की बात छुपा देते हैं। मेरे विचार से तो दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं।
2. महादेवी वर्मा की माताजी ने चोर का हृदय कैसे परिवर्तित किया? 2
उत्तर : महादेवी वर्मा की माताजी ने चोर को न डाँटा, न पिटवाया। उन्होंने उसकी सेवा ली और उसे अपना पुत्र बना लिया। पकड़े जाने पर उसे न तो उपदेश देती हैं और न ही चोरी छोड़नें के लिए दबाव डालती हैं। वह चोर से इतना ही कहती हैं कि अब तुम्हारी मर्जी–चाहे चोरी करो या खेती। उसकी इस सहज भावना और व्यवहार से चोर का हृदय परिवर्तित हो गया उसने सदा के लिए चोरी छोड़ दी और खेती करनी शुरू कर दी।
3. ''गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए।''इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए 2
उत्तर : यहाँ 'श्मशान' का प्रासंगिक अर्थ है–स्थायी ठिकाना। माटी वाली का गाँव उजड़ गया है। वह विस्थापित हो गई है। इस कारण वह दर–ब–दर भटकने के लिए विवश हो गई है। उसका पति मर गया है। किन्तु श्मशान–भूमि डूब गई है। उसके सामने पति का दाह–संस्कार करने का संकट है। इसी पीड़ा से छटपटाते हुए

वह कहती है– 'गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए' उसके कथन का आशय है कि गरीब आदमी से उसके रहने का स्थायी ठिकाना नहीं छीनना चाहिए।

खण्ड – घ (लेखन) 20

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200–250 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 10

(1) समय का महत्व

संकेत बिंदु : प्रस्तावना • समय का सदुपयोग • समय व सफलता का साथ • समय का महत्व • उपसंहार

(2) वर्तमान युग में मोबाइल फोन की आवश्यकता

संकेत बिंदु : प्रस्तावना • मोबाइल का महत्व • मोबाइल का दैनिक जीवन पर प्रभाव • मोबाइल से हानि • उपसंहार

(3) सदाचार

संकेत बिंदु : सदाचार का महत्व • सदाचार की आवश्यकता • सदाचारी व्यक्ति समाज का आईना • उपसंहार

उत्तर :

(1) समय का महत्व

संकेत बिंदु : प्रस्तावना • समय का सदुपयोग • समय व सफलता का साथ • समय का महत्व • उपसंहार

1. **प्रस्तावना–** समय अनमोल है। खोया हुआ समय कभी वापस नहीं आता। यही समय की सबसे बड़ी विशेषता है। जिसने भी समय के इस रहस्य को समझा और स्वीकार किया, उसने बड़ी–से–बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त की। जीवन की सफलता का आधार समय के सदुपयोग पर है। समय महा–शक्तिशाली है।
2. **समय का सदुपयोग–** आज–मानव जीवन इतना व्यस्त हो चुका है कि उसके पास विचार करने के लिए भी समय का अभाव है। मानव दौड़ रहा है– एक अज्ञात दिशा में। सभी के लिए समय वही है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह समय का उपयोग कैसे करें। जो व्यक्ति कार्यों के महत्व को ठीक से न समझकर, उन्हें क्रम से नहीं बाँट पाते हैं, उनके पास सदा ही समय की कमी रहती है और वे कोई भी कार्य आत्मविश्वास से नहीं कर पाते हैं।

   किसी कवि ने सच ही कहा है कि–

   ''है समय नदी की धारा कि जिसमें सब बह जाया करते हैं,
   है समय बड़ा तूफान कि प्रबल पर्वत झुक जाया करते हैं।''
3. **समय व सफलता का साथ–** इस समय की शक्ति को बड़े–बड़े महापुरूषों ने अपने जीवन में पहचाना है। उन्होंने समय के महत्व को समझा तथा विश्व के अग्रणी व्यक्तियों की पंक्ति में खड़े हो सकें और विश्व के इतिहास में अमर हो गए।
4. **समय का महत्त्व–** मानव जीवन की आधारशिला विद्यार्थी जीवन है। जो संस्कार इस काल में पड़ जाते हैं, वे जीवनपर्यन्त बने रहते हैं। यह अत्यन्त आवश्यक है कि विद्यार्थी, जो देश का भविष्य है, वे समय के मूल्य को समझें और उसका सदुपयोग कर भावी जीवन को सुखमय बनाएँ। विद्यार्थी ही राष्ट्र की अमूल्य निधि है। उनमें यदि सद्‌गुणों का समावेश नहीं होगा तो राष्ट्र प्रगतिपथ पर अग्रसर नहीं हो सकेगा। कवि कबीर ने कहा है–

   ''काल करै सो आज कर, आज करै सो अब,
   पल में परलय होयगी, बहुरि करोगे कब।।''
5. **उपसंहार–** जो व्यक्ति अपने कार्य को कल पर टाल देते हैं, सफलता भी उन्हें कल के लिए टाल देती है। जो समय की कद्र करता है, समय उसकी कद्र करता है। समय निरंतर गतिमान है। इसे रोका नहीं जा सकता। मनुष्य जीवन की सार्थकता समय के सदुपयोग में ही है।

(2) वर्तमान युग में मोबाइल फोन की आवश्यकता

संकेत बिंदु : प्रस्तावना • मोबाइल का महत्व • मोबाइल का दैनिक जीवन पर प्रभाव • मोबाइल से हानि • उपसंहार

1. **प्रस्तावना–** आवश्यकता आविष्कार की जननी है।'' यह कहावत वैज्ञानिकों ने सत्य साबित कर दी है। विज्ञान ने मनुष्य के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किये हैं। आज दूरदर्शन, टेलीफोन, टेलीप्रिन्टर, रेफ्रिजरेटर, कम्प्यूटर, इन्टरनेट आदि ने मनुष्य के जीवन को आसान बना दिया है।
2. **मोबाइल का महत्व–** सूचना व संचार के क्षेत्र में मोबाइल फोल ने मानो धूम ही मचा दी है। यह एक ऐसा यंत्र है जो समय और धन की बचत करने में सहायक है। विभिन्न प्रकार के मोबाइल फोन के नये–नये उपकरणों ने जीवन में क्रान्ति–सी ला दी है।

   पूरी–की पूरी पते व फोन की डायरी को कलेवर में समेटे हुए यह छोटा सा यंत्र सभी की जेबों व पर्सों की शोभा को बढ़ा रहा है। जब चाहों फोटो खींच लो, एस.एम.एस कर लो, यू–ट्यूब पर वीडियो देख लो। आज छोटे–छोटे दैनिक कर्मियों, कारीगरों मैकेनिकों, अर्थात् हर तबके के लोगो के

पास मोबाइल फोन हैं।

3. **मोबाइल का दैनिक जीवन पर प्रभाव–** यात्रा के लिए आरक्षण करवाना हो, डॉक्टर की सहायता लेनी हो, शुभ–अशुभ संदेश भेजना हो, यह सब मोबाइल द्वारा संभव है। मोबाइल फोन की इन्टरनेट सेवा के द्वारा क्रय एवं विक्रय की सुविधा का प्रयोग भी भरपूर हो रहा है।
4. **मोबाइल से हानि–** जब–जब हमने उपर्युक्त सुविधाओं का दुरूपयोग करना आरम्भ किया, तब–तब ये सुविधायें मुसीबत का रूप धारण करती गई। असामाजिक तत्व इसका प्रयोग धमकी देने, अपहरण करने के लिए, फिरौती के पैसे माँगने के लिए करते हैं। अमर्यादित संदेशों व चित्रों से युवापीढ़ी गुमराह हो रही है। छात्र पूर्ण एकाग्रता से अपनी पढ़ाई में मन नहीं लगा पाते। अधिक समय मोबाइल पर व्यतीत करने से हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आँखे खराब होती है। स्मरण शक्ति क्षीण होती है। ये सिगरेट, शराब से भी बढ़कार खतरनाक नशा हो गया है। बच्चे घण्टों इसमें गेम्स खेलते रहते हैं।
5. **उपसंहार–** विज्ञान के सभी आविष्कार हमारे जीवन को आसान और सुखमय बनाने के लिए होते हैं यह तभी सम्भव है जब हम मोबाइल जैसे विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण यंत्र का भी सदुपयोग ही करें और अपने तथ दूसरों के भी जीवन को सरल व सुखमय बनाएँ।

(3) सदाचार

संकेत बिंदु : सदाचार का महत्व • सदाचार की आवश्यकता • सदाचारी व्यक्ति समाज का आईना • उपसंहार

1. **सदाचार का महत्त्व–** सदाचार शब्द दो शब्दों के मेल से बना है– सत्+आचार। इसका अर्थ है–अच्छा आचरण। सत्य, अहिंसा, प्रेम, उदारता, सदाशयता आदि सदाचार के कुछ प्रमुख लक्षण हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन में इन्हें चरितार्थ करता है, वह सदाचारी कहलाता है। सदाचरण से व्यक्ति अपने जीवन में तो सुख और शान्ति का अनुभव करता ही है, उससे औरों का भी भला होता है। हर व्यक्ति अपने निजी जीवन में सदाचार के कुछ विशिष्ट नियम या सिद्धान्त स्थिर कर सकता है। सदाचार का नैतिकता से गहरा सम्बन्ध है। इन्हें एक–दूसरे का पर्याय कहा जाये तो अत्युक्ति नहीं होगी। सदाचार की चमक के आगें संसार की हर प्रकार की धन–दौलत की चमक फीकी रहती है। ईसा मसीह, मुहम्मद साहब, गुरू नानक, स्वामी दयानन्द सरस्वती, रवीन्द्र नाथ टैगोर, मार्टिन लूथर किंग, महात्मा गाँधी के पास कोई धन–दौलत नहीं थी किन्तु वे सदाचारी थे, बेताज बादशाह थे। जब वे जीवित थे तो उन्हें पूरे विश्व का सम्मान प्राप्त था।
2. **सदाचार की आवश्यकता–** जहाँ सदाचार मनुष्य को सम्मान दिलाता है, वहीं दुराचार के कारण मनुष्य को घृणा मिलती है श्रीराम जैसे सदाचारी का उदाहरण संसार में नही मिलता। इसके विपरीत रावण एक दुराचारी था। आज भी संसार उससे घृणा करता है। दुराचारी को रावण कहा जाता है। रावण से घृणा की अभिव्यक्ति हर वर्ष रावण का पुतला जलाकर की जाती है। जहाँ दुराचारी व्यक्ति की आयु अल्प होती है और वह सदैव रोगग्रस्त करता है वहाँ सदाचारी व्यक्ति स्वस्थ एवं प्रसन्नचित रहता है और दीर्घ आयु को प्राप्त होता है
3. **सदाचारी व्यक्ति समाज का आइना–** सदाचारी बनना कोई सरल कार्य नहीं है। सदाचारी बनने के लिए प्रयत्न करने पड़ते है। सदाचार के बीज व्यक्ति में बचपन से ही डाले जाते हैं। इसीलिए भारतीय जीवन शैली में ब्रह्मचर्य आश्रम की व्यवस्था है। एक तरफ सत्संगति तो दूसरी और अभ्यास तथ प्रभु की सहायता, धैर्य, संतोष, सहिष्णुता, अहिंसा, संयम, क्षमा, मन और वचन से एकता, विद्या, विनम्रता तथा क्रोध न करना आदि सदाचार के गुण उत्पन्न होते हैं। परिवार, समाज तथा राष्ट्र की उन्नति के लिए प्रत्येक मनुष्य में सदाचार के गुण अनिवार्य रूप से उत्पन्न किये जायें।

   दुख की बात है कि आज का वातावरण बहुत दूषित हो गया है। बढ़ता हुआ अनीश्वरवाद भी सदाचार के पथ में बाधा है। सदाचार का विचार पूर्ण रूप से भारतीय है।
4. **उपसंहार–** सफल एवं सार्थक जीवन के लिए सदाचारी होना आवश्यक है। उत्तम चरित्र का प्रभाव एवं अचूक होता है। चरित्र का हास होने से मानव को अनेक दुःखों और कष्टों का सामना करना पड़ता है। समाज के लोग उसे हेय दृष्टि से देखते हैं। सदाचारी का तो केवल भौतिक शरीर ही नष्ट होता है। उसकी यश ज्योति संसार में बिखरी रहती है। सदाचार व्यक्तिगत, राष्ट्रीय तथा सामाजिक उन्नति का स्रोत है। सदाचारी व्यक्तियों के चरण चिन्हनों पर युग चलता है।

12. कुसंगति से बचने के लिए अपने छोटे–भाई को पत्र लिखिए– 5

उत्तर :

141, संस्कार भवन
उद्योग नगर
जयपुर
दिनांक : 31 जुलाई, 2019

प्रिय अनुज
स्नेहाशीष।

अभी–अभी तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारे पास होने का समाचार पाकर बड़ी खुशी हुई। अब तुम नई कक्षा में जाओंगे। अच्छी संगति अत्यंत आवश्यक है। काँजी का एक छींटा जैसे सारे दूध को बिगाड़ देता है, ऐसे ही एक–बुरे लड़के की संगति से सब लड़के बिगड़ जाते हैं। अच्छे और भले लड़कों की संगति से तुम्हारी पढ़ाई में भी मदद मिलेगी। समय का सदुपयोग होता है। सत्संगति तुम्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी और लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगी।

मुझे आशा है कि तुम मेरी बात पर अवश्य अमल करोगे और भले लड़को की संगति में रहोगे।
तुम्हारा अग्रज
हार्दिक

अथवा

सफाई कर्मचारी के विरूद्ध शिकायत करते हुए नगर–पालिका के प्रबंधक को पत्र लिखिए–

उत्तर :
प्रेषक
अजीत हेगड़े
16, शिवाजी नगर,
दिल्ली।
दिनांक : 10 अक्टूबर, 2019
सेवा में,
प्रबंधक महोदय
शिवाजी नगर, नगरपालिका
दिल्ली
विषय– सफाई कर्मचारी की शिकायत एवं क्षेत्र की सफाई हेतु।
महोदय,

मैं अजीत हेगड़े, शिवाजी नगर क्षेत्र का निवासी हूँ। इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में फैली गंदगी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले सात दिनों से क्षेत्र की सफाई नहीं हुई है। कूड़े–कचरे का ढेर लग गया है। मक्खियों व मच्छरों ने परेशान कर रखा है। बीमारी फैलने का भी डर है। आवारा कुत्तों ने कचरे को सड़कों व गलियों में फैला दिया है। चलने में भी मुश्किल हो रही है।

आपसे निवेदन है कि आप क्षेत्र की सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों को उचित आदेश दें।
धन्यवाद
भवदीय
अजीत हेगड़े

13. देर से आने वाले छात्र और अध्यापक के मध्य हुए संवाद को लिखिए– 5

उत्तर :
छात्र– सर क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ।
अध्यापक– हाँ, आओं! पर इतनी देर से क्यों आए?
छात्र– क्षमा करना। मेरी माताजी अचानक बीमार हो गई थी।
अध्यापक– क्यों? क्या हुआ उन्हें।
छात्र– अचानक ही खड़े–,खड़े चक्कर आ गया।
अध्यापक– घर में तुम्हारे पिताजी होंगे?
छात्र– नही पिताजी बाहर गए हैं। घर में मेरे अतिरिक्त मेंरी छोटी बहन ही है।
अध्यापक– अच्छा! तुमने क्या किया?
छात्र– मैं डॉक्टर को बुला लाया और डॉक्टर ने दवाई लिख दी और आराम करने को कहा।
अध्यापक– अच्छा अपनी माता जी का ध्यान रखना।
छात्र– जी अध्यापक/सर।
अध्यापक– जाओ, अपने स्थान पर बैठ जाओ।
छात्र– धन्यवाद सर।

अथवा

बस की पूछताछ के संदर्भ में दो यात्रियों के मध्य हुए संवाद को लिखिए–

उत्तर :
पहला यात्री– जरा सुनिए, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए बस कहाँ से मिलेगी?
दूसरा यात्री– यहीं प्रतीक्षा कीजिए। आपको इस बस स्टॉप से बस मिल जाएगी।
पहला यात्री– धन्यवाद। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँचने में कितना समय लगता है?
दूसरा यात्री– करीब 45 मिनट।
पहला यात्री– कौन–सी बस नम्बर जाएगी?
दूसरा यात्री– 317 बी।
पहला यात्री– धन्यवाद। अगली बस कितनी देर में आएगी?
दूसरा यात्री– बस की सर्विस तो हर 15 मिनट पर है।
पहला यात्री– आपका धन्यवाद।
दूसरा यात्री– बस आ रही है। आप जल्दी से चढ़ जाना।
पहला यात्री– जी जरूर।

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online